पद १६९

(राग: झिंजोटी - ताल: दीपचंदी)

मोहन माझा प्राण गे। मनमोहन माझा प्राण गे।।ध्रु.।। त्याविण क्षण मज न गमे सखिये। जाउनि त्यासी तूं आण गे।।१।। मदन दाह यासी शमन कराया। माणिक प्रभु एक जाण गे।।२।।